जनपद उत्तकाशी में विकास खण्ड चिन्यालीसौड़ के अन्तर्गत दीवारीखोल से जोखणी मोटरमार्ग निर्माण हेतु समरेखण की भूगर्भीय निरिक्षण आख्या

1. निर्माण खण्ड लोक निर्माण विभाग के अर्न्तगत 2.35 किमी0 लम्बाई में दीवारीखोल से जोखणी तक मोटरमार्ग का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड लोक निर्माण विभाग के अनुरोध पर समरेखण का अधोहस्ताक्षरी द्वार सम्बन्धित सहायक अभियन्ता आर0के0यादव एवं कनिष्ठ अभियन्ता श्री अरुण प्रकाश के साथ निरिक्षण किया गया।
2. राज्य योजना के अन्तर्गत दीवारीखोल से जोखणी तक 3 किमी लम्बाई में कार्य स्वीकृत है मार्ग के निर्माण हेतु खण्ड द्वारा प्रारम्भिक रुप से दो समरेखणों द्वारा सर्वेक्षण किया गया है समरेखण संख्या 2 पर स्थानीया ग्राम वासियों की सहमति को ध्यान में रखते हुए निर्माण खण्ड लो0नि0वि0 चिन्यालीसौड़ के द्वारा समरेखण सं0 1 के अनुसार मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव है इस समरेखण के अनुसार मार्ग की वास्तविक लम्बाई 2.35 किमी अवगत कराई गई है। प्रस्तावित समरेखण बडेथी–बन्चौरा–बद्रीगाड मोटरमार्ग के किमी 37 से खडसाइड से प्रारम्भ होता है तथा निर्धारित 2.35 किमी0 में छैजुला मोटर मार्ग में मिलकर पूर्ण होता है अवगत कराया है कि समरेखण मे दो हेयर पिन बैन्ड है नाप भूमि में ढलान सामन्यतः 20 डिग्री से 35 डिग्री के मध्य प्रतीत होता है जो यू0पी0 लेंड में कहीं कहीं इससे अधिक है समरेखण क्षेत्र में सन्धि युक्त तथा वेदर्ड फिलाईट चट्टान है तथा उनके उपर मिट्टी–डेब्री का ओवर बर्डन है।
3. समरेखण क्षेत्र की भूगर्भीय स्थिति, भू आकृति एवं उक्त प्रस्तर में वर्णित तथ्यों को ध्यान में रखते हुए निम्न सुझाव दिए जा रहे है जिन्हे प्रस्तावित मार्ग निर्माण में सम्मलित किया जाना आवश्यक हैं

   (क) यथा सम्भव मार्ग की पुरी चौ0 कटान करके प्राप्त की जाए यह भविष्य मार्ग स्थिरता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

   (ख) मार्ग के आरम्भ में टेक ऑफ प्वान्ट कम ढलान युक्त स्थिर भूमि मे सावधानी पूर्वक बनाये जाऐं

   (ग) तीव्र ढलान में मार्ग की एक से अधिक आर्म्स की स्थिति को avoid किया जाना चाहिए अन्यथा मार्ग के कटान के बाद स्थानीय भूस्खलन होने तथा मार्ग के क्षतिग्रस्त होने की सम्भावना हो सकती है।

   (घ) समरेखण के समीप स्थित घरों से सुरक्षित दूरी रखते हुए बिना विस्फोटको का प्रयोग किये मार्ग कटान किया जाए।

   (ड़) जहां मार्ग कटान की उचांई अधिक हो और स्ट्रेटा कमजोर हो मार्ग कटान के साथ साथ समुचित ब्रेस्ट वाल का निर्माण कराया जाय। जिससे किसी भी प्रकार की अस्थिरता उत्पन्न न हो।

   (च) वर्षा के पानी की समुचित निकासी हेतु रोड साइड ड्रेन एवं मार्ग पर अन्य क्रास ड्रैनेज स्ट्रक्चर्स का प्राविधान किया जाए यह भी सुनिशचित किया जाए कि स्कपर के पानी में भू क्षरण न हो।

   (छ) पर्वतीय क्षेत्र में मार्ग निर्माण के अलिए निर्धारित सिविल अभियांत्रिकी के अन्य मानकों एवं विष्टियों का पालन किया जाऐ
4. मार्ग के नवनिर्माण विषयक स्थायित्व सम्बन्धित बिन्दु–

   (क) मार्ग के कटान के बाद ही हिल साइड में जिस स्थान पर over burden material होगा तथा पहाडी ढलान slope forming material के angel of repose से अधिक होगा कुछ भाग में वर्षा काल में पहाडी ढलान के अस्थिर होने की सम्भावना हो सकती है।
5. दीवारीखोल से जोखणी तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु 2.35 किमी लम्बाई का प्रस्तावित समरेखण वर्तमान परिस्थतियों में उपरोक्त सुझोवों के साथ मार्ग निर्माएा के लिए उपयुक्त प्रतीत होता है। इस हेतु प्रस्तावित भूमि भूगर्भीय दृष्टि से उपयुक्त है।

सहायक अभियन्ता
निर्माण खण्ड लो0नि0वि0

टिप्पणी

1. भूमि हस्तान्तरण की दृष्टि से समरेखण क्षेत्र में किये गये निरिक्षण एवं खण्ड द्वारा उपलब्ध कराये गये सर्वेक्षण विवरण के आधार पर यह एक जनरलाइज्ड आख्या है। मार्ग कटान के पश्चात स्थिति में परिवर्तन भी सम्भव है समरेखण/मार्ग पर किसी विशिष्ट बिन्दु पर यदि सुझाव की आवश्यकता हो तो उसे अलग से अवगत कराया जाए।
2. मुख्य अभियन्ता, स्तर 1, लो0नि0वि0 देहरादून द्वारा समस्त अधिक्षण अभियन्तओं को मार्गो के निर्माण एवं समरेखण निर्धारण के सम्बन्ध में प्रेषित पत्रांक 7272/8(1) याता 0–उ0/5दिनांक 16/11/2005 में दिए गए निर्देशों का अनुपालन किया जाऐ

सहायक अभियन्ता
निमार्ण खण्ड लो0नि0वि0
चिन्यालीसौड़ उत्तरकाशी

H. Kumar 20.10.14
वरिष्ठ भूवैज्ञानिक
कार्यालय प्रमुख अभियन्ता
लो0नि0वि0 उत्तराखण्ड देहरादून